हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 7

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 29 जुलाई, 1998

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(7)1
वाक-आउट	(7)13
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(7)13
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(7)18
विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना	(7)21
वाक-आउट	(7)22
विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना (पुनरारम्भ)	(7)23
सदस्य का नाम लेना	(7)25
वाक-आउट	(7)25
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(7)26
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(7)26
वाक-आउट	(7)26
सदन की मेज पर रखे गये कागज-पत्र	(7)27

मूल्य : 62

विधान कार्य —

1. हरियाणा विनियोग (सं 3) विधेयक, 1998 (7)27
2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998 (7)29

वाक-आउट (7)32

विधान कार्य —

हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998 (पुनरावृत्त) (7)32

3. हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन तथा भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1998 (7)32
4. हरियाणा मंत्री वेतन और भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1998 (7)34
5. हरियाणा विधान सभा (सदस्य-सुविधा) संशोधन विधेयक, 1998 (7)36
6. हरियाणा विधान सभा (सदस्य-भत्ता तथा पैंशन) संशोधन विधेयक, 1998 (7)37

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 29 जुलाई, 1998

विधानसभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वैश्चन्ज़ होंगे।

Upgradation of Schools of Sub Division Charkhi Dadri

***759. Shri Sat Pal Sangwan :** Will the Minister for Education be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Schools for Boys and Girls of Sub Division Charkhi Dadri; and

(b) if so, the time by which the schools as referred to in part (a) above are likely to be upgraded ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूँ कि सब डिविजन चरखी दादरी से 200 लड़कियां बाहर पढ़ने जाती हैं, इसलिए सब डिविजन चरखी दादरी के लड़के और लड़कियों के लिए स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में सरकार को विचार करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, दादरी के विद्यार्थी बड़े होशियार हैं, 12वीं तथा 8वीं कक्षा में दादरी के विद्यार्थियों ने पहला स्थान प्राप्त करके, मेरा और मेरे हल्के का नाम रोशन किया है। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय माननीय विधायक श्री सतपाल सांगवान का प्रस्ताव विचाराधीन है, इसके साथ-2 मैं माननीय साथी को यह बताना चाहता हूँ कि जो ये दादरी के लड़के और लड़कियों के दोनों स्कूल अपग्रेड करवाना चाहते हैं ये दोनों अपग्रेड नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, जब हम दूसरे स्कूलों का दर्जा बढ़ायेंगे उस समय जिस एक स्कूल के बारे में भाई सांगवान जी कहेंगे उस पर हम विचार कर लेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं परोपर दादरी की बात नहीं कर रहा, बल्कि दादरी सब-डिविजन की बात कर रहा हूँ जहां पर 12वीं तक के स्कूलों की आवश्यकता है। इस सब-डिविजन में बड़े-2 गांव हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो इनका सवाल है वह आपके पास लिखित में है, उसमें इन्होंने उपमण्डल, चरखी दादरी के लड़कों तथा लड़कियों के राजकीय विद्यालयों का दर्जा बढ़ाने के बारे में पूछा है। अध्यक्ष महोदय, उसमें इन्होंने किसी स्पेसिफिक गांव या जगह का नाम नहीं दिया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रिय दोस्त दादरी सब-डिविजन के जिस गांव का नाम बतायेंगे, जहां पर 12वीं तक के स्कूल की आवश्यकता हो, उसके बारे में हम विचार करेंगे। उसको एग्जामिन करवाकर वहां पर स्कूल जरुर बनवायेंगे।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, श्री सांगवान ने पूरे सब डिविजन चरखी दादरी में स्कूलों को अपग्रेड कराने के बारे में प्रश्न पूछा है इसके लिए मैं और श्री नरपेन्द्र सिंह दोनों इनके आभारी हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि जहां पर चरखी दादरी में बड़े-2 गांवों में स्कूल अपग्रेड करने की जरूरत है उस पर आप विचार करें।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि पिछली बार भी श्री सांगवान के चुनाव क्षेत्र में लगभग 8 स्कूलों को अपग्रेड किया गया था और इस बार भी माननीय विधायक पूरे उपमण्डल के जिस गांव के बारे में कहेंगे उस पर हम विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जिस गांव के बारे में माननीय सांगवान जी कहेंगे और वह गांव अगर नार्मज़ पूरे करता होगा तो हम वहां पर स्कूल का दर्जा अवश्य बढ़ायेंगे, चाहे वह स्कूल लड़कों का हो या चाहे लड़कियों का।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहती हूँ कि मेरे जिले रोहतक के गांव माजरा में लगभग 1000 लड़कियां पढ़ती हैं और इस स्कूल को अपग्रेड किया गया था लेकिन बाद में वह लिस्ट कैंसिल कर दी गई। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि यह लड़कियों की एजुकेशन से जुड़ा हुआ मसला है इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूँगी कि क्या वे इस स्कूल को अपग्रेड करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय बहन करतार देवी जी को बताना चाहूंगा कि इस सरकार ने स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की कोई भी सूचि निरस्त नहीं की है। पिछली सरकार ने 245 विद्यालयों का दर्जा बढ़ा कर एक चिट्ठी निकाल दी। अध्यक्ष महोदय, पानी से पहले पाल बांधने की परम्परा गांव में भी रहती है वैसे ही सरकारों की भी चुनाव से पहले कुछ तैयारी होती है उसी चुनाव को ध्यान में रखते हुए चुनाव से करीब 3 महीने पहले स्कूलों को अपग्रेड करने का एक कागज़ पकड़ा दिया और विधायक अपने-अपने हल्कों में उसे दिखा कर वोट मांगते रहे कि हमने स्कूलों का दर्जा बढ़ा दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमने जो भी वायदे किए थे चाहे वे सदन के अन्दर थे या सदन के बाहर चाहे मुख्य मंत्री जी ने कोई वायदा किया हो चाहे किसी मंत्री ने कोई वायदा किया है पिछले दो वर्षों में 400 विद्यालयों का दर्जा बजट सैशन में हमने बढ़ाया था। जहां पर भी स्कूल अपग्रेड करने की घोषणा की वहां के लिए अध्यापकों की व्यवस्था की और बजट भी ऐलोकेट किया। इस सत्र में भी विद्यालयों का दर्जा बढ़ाया गया है। इस बजट में हमने 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय बहन जी को बताना चाहूंगा कि हमने अपने समय में स्कूलों के अपग्रेडेशन की किसी भी सूचि को

निरस्त नहीं किया है। वे भाजरा में लड़कियों के विद्यालय की बात कह रही हैं। मैं उनसे कहूंगा कि वे इस बारे में पंचायत का प्रस्ताव भिजवा दें हम उसे एग्जामिन कर लेंगे और अगर वह नार्म पूरे करता होगा तो वहां पर विद्यालय का दर्जा भी बढ़ा देंगे।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहूँगा कि मेरे हल्के में तीन स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया था लेकिन आज भी वहां पर स्टाफ नहीं भेजा गया है खासकर के प्रिंसिपल और हैडमास्टर को नहीं भेजा गया है। अध्यक्ष महोदय, दूसरे मेरे हल्के में ब्राह्मणों का एशिया का सबसे बड़ा गांव है। (विघ्न) गांव खामी में मंत्री जी का बहुत बड़ा स्वागत हुआ था जब मंत्री जी वहां पर गये थे। वहां पर मंत्री जी ने विद्यालय का दर्जा बढ़ाने का वायदा भी किया था। मंत्री जी ने वहां पर यह वायदा किया था कि लड़कियों के स्कूल का दर्जा बढ़ा देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इस स्कूल को मेरे कोटे की बजाये अपने कोटे में से दर्जा बढ़ाने की कृपा करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी श्री जगदीश नायर जी के क्षेत्र में गया था और केवल गांव खामी में नहीं बल्कि मान्दकोल और बैंगलतू की पंचायतों की तरफ से वहां पर प्रस्ताव किया था और हमने आश्वासन भी दिया था। इस नये सत्र से खामी के स्कूल का दर्जा बढ़ा दिया जाएगा। इसके साथ ही मैं अपने भाई जगदीश नायर जी को कहना चाहूंगा कि मेरा अलग से कोई कोटा नहीं है सारे का सारा कोटा विधायकों का ही है। विधायक जहां चाहेंगे वहां पर स्कूल खोले जाएंगे और स्कूलों का दर्जा बढ़ाया जाएगा इसमें किसी प्रकार की कोई राजनीति नहीं है।

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि गवर्नमैंट कॉलेज, सफीदों में पंजाबी की कोई पोस्ट सैंक्शन नहीं है और संस्कृत प्राध्यापकों की दो पोस्टें हैं वे दोनों ही खाली हैं, ये पोस्टें कब तक भर दी जाएंगी ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जैसे-जैसे हमने स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है उसके साथ ही अध्यापकों की पोस्टें भी क्रिएट की हैं और पोस्टें भरी जा रही हैं। संस्कृत प्राध्यापकों के लिए इन्होंने मुझ से मिल कर भी कहा था इस महीने वहां पर संस्कृत अध्यापक लगा दिए जाएंगे।

श्री दिलुराम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी पिछले साल मेरे हल्के में गये थे और वहां से भागल गांव में गये थे और वहां पर इन्होंने चार स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की घोषणा की थी उसमें से 2 स्कूल तो बन गये हैं। अब क्या ये सुल्ताना और खरौदी में दो स्कूलों को प्राईमरी से मिडिल और मिडिल से हाई करेंगे ? इसके साथ ही खरका गांव बहुत ही बड़ा है और वहां पर आस पास में कोई भी 10 जमा 2 का स्कूल नहीं है और वहां पर लड़कियों की तादाद भी बहुत ज्यादा है। क्या मंत्री जी वहां पर स्कूल का दर्जा बढ़ाएंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं भाई दिलुराम जी के गुहला-चीका हल्के में गया था। हमने वहां पर दो स्कूलों का दर्जा तो बढ़ा दिया था जो कि पिछले सत्र में शुरू हो गये थे। यह जो बात इन्होंने प्राईमरी से मिडिल और मिडिल से हाई स्कूल का दर्जा बढ़ाने वाली बात कही है वह इस सत्र में कर देंगे।

Shortage of Drinking Water in village Kichana

*669. **Shri Ram Pal Majra :** Will the Minister for Public Health be pleased to state —

(a) whether it is a fact that there is a shortage of drinking water in villages Peoda and Kichana, of district Kaithal; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to meet out the said shortage of drinking water ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : गांव प्योदा में जल वितरण में कुछ कमी है जोकि नया नलकूप सम्पन्न होने पर शीघ्र ही दूर हो जाएगी। गांव किछाना में जल वितरण में कोई कमी नहीं है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी को यह बताना चाहूँगा कि सही मायनों में ज्यादा प्रोब्लम किछाना गांव में है और प्योदा के जल घर का ट्यूबवैल डेढ़ साल से बैठा हुआ है। जिस कारण वहां पर समस्या और भी ज्यादा गम्भीर हो गई है। मंत्री जी यह बताएं कि वहां के ट्यूबवैल को कब तक ठीक करवा देंगे ? अध्यक्ष महोदय, किछाना गांव के पानी की सप्लाई कसान गांव से है मगर कसान गांव में बिजली होती है तो पानी लिफ्ट करके किछाना गांव में पहुंच जाता है। किछाना गांव में एक टैंक है और उस टैंक की जितनी कैपेसिटी है उससे एक घंटे तक ही पानी सप्लाई किया जा सकता है। अगर कसान गांव में बिजली होती है तो किछाना गांव में नहीं होती है और किछाना गांव में होती है तो कसान गांव में नहीं होती है। क्या मंत्री जी किछाना गांव के टैंक की स्टोरेज की कैपेसिटी बढ़ाएंगे ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कुंए में पानी न मिलने की वजह से समस्या है। इस लिए वहां पर नया कुंआ साढ़े तीन लाख की कीमत से बनवा रहे हैं और यह अक्तूबर तक कम्पलीट हो जाएगा। जहां तक किछाना गांव की बात है तो वहां पर बूस्टिंग स्टेशन है और वहां पर कसान गांव से पानी आता है। वहां पर वाटर वर्कस है, बूस्टिंग स्टेशन है और वहां पर 40 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी मिल रहा है। लेकिन कभी-कभी बिजली फेल हो जाती है तो उसमें मैं क्या कर सकता हूँ। इस बारे में मैं अतर सिंह सैनी जी को कहूँगा कि वहां पर बिजली को चालू रखें।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, पानीपत शहर हैन्डलूम इन्डस्ट्रीज का शहर है। वहां पर खड्डियों में जो पानी इस्तेमाल होता है उसमें केमिकल मिलाया हुआ होता है। उस पानी को प्रयोग करने के बाद ऐसे ही छोड़ दिया जाता है और वह पानी चौबों में चला जाता है। आज वहां के लोगों को जो पानी पीने के लिए मिलता है उसमें केमिकल मिला हुआ होता है और इसके रिजल्ट एक दिन बहुत ही बुरे होंगे। क्या इसकी रोकथाम के बारे में सरकार कोई कदम उठा रही है या उठाएगी ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ये अलग से प्रश्न पूछें तो अच्छा होगा।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने रोहतक जिले के हसनगढ़ हल्के के बारे में कहना चाहूंगा। वहां पर कसरेटी गांव है। इस गांव में भालोट माईनर से पानी अटैल गांव से होता हुआ आता है। उस अटैल गांव के लोग भी उस पानी को नहीं पीते हैं। उसका कारण यह है कि वहां नाला खुला हुआ है और उसके अन्दर गन्दगी भरी रहती है। तो मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूँगा कि क्या उस पानी को पाईप के थ्रू कसरेटी गांव में ले जाने का कोई प्रबन्ध करेंगे ? इसके अलावा क्या कटैल और गिर्जी गांवों को भी पानी देने का प्रावधान करेंगे ?

श्री जगन नाथ : सर, हरियाणा में 6745 गांव है और मैं हर गांव के बारे में एकदम कैसे बता सकता हूँ। थोड़ी देर में ये किसी भी पटवारी का नाम भी पूछ लेंगे।

श्री बलवन्त सिंह : स्पीकर सर, इस बारे में हर सैशन में पूछा गया है। मंत्री जी को इसको मजाक में नहीं लेना चाहिए। * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो ये अब बोल रहे हैं, उसको रिकार्ड न किया जाए।

Fly Over

***652. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a fly-over on Railway crossing near Sugar Mill in Sonipat City ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : No, Sir.

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसानों के प्रति कितनी फिक्र रखती है इसका पता इस सवाल के जवाब से ही लगता है। मेरे हल्के के अलावा पूरे सोनीपत जिले का यह शूगर मिल है। वहां पर बैलगाड़ी, झोटा बुग्गी, ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक यह पुल न होने के वजह से मीलों दूर तक लाईन लगाकर खड़े रहते हैं जिसकी वजह से वे लोग सारे दिन परेशान होते रहते हैं। यह बहुत ही जरूरी पुल है और यह कोई ज्यादा लम्बा भी नहीं है। क्या मंत्री जी जल्दी से जल्दी फ्लाई ओवर ब्रिज को बनाने की कृपा करेंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, संभव नहीं है।

श्री सम्पत सिंह : सर, सरकार की इस वार्षिक योजना में क्या कोई और फ्लाई ओवर ब्रिज बनाने की योजना है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए ये अलग से प्रश्न पूछें।

श्री सम्पत सिंह : सर, मैंने तो एक पोलिसी सवाल किया था क्या मंत्री जी इतना भी नहीं बता सकते कि स्टेट में इस साल सरकार की और कोई ओवर ब्रिज बनाने की योजना है ? सर, यह तो बेसिक बात है।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, मंत्री जी ने बेसिक सवाल का बेसिक जवाब दे दिया है।

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ में लाईन पार एक बस्ती है जिसकी आबादी लगभग 30 हज़ार है। वहां पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए हमने रेल मंत्री से समय लिया था। उन्होंने हमारी यह डिमांड मंजूर भी कर दी थी और कहा था कि अगर इसका आधा खर्चा राज्य सरकार दे दें तो बाकी आधा खर्चा रेलवे विभाग दे देगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वह इस ओवर ब्रिज के आधा खर्च करने की मंजूरी देंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : स्पीकर सर, ऐसी कोई प्रपोजल सरकार के पास नहीं है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री खुर्शीद अहमद : मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसी कोई प्रपोजल बनाकर ये सैंट्रल गवर्नमैंट को भेजेंगे कि इस ओवर ब्रिज का आधा खर्चा हम देने के लिए तैयार हैं आप आधा खर्चा आप दे दें ?

श्री धर्मवीर यादव : स्पीकर सर, इंडियन रोड्ज कांग्रेस के स्तर के मुताबिक उसका सर्वे करवा लिया जाएगा और इसके हिसाब से एक प्रस्ताव इसका रेलवे विभाग को भेज दिया जाएगा।

Construction of Road from village Dantal to Rajasthan Border

***650 Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the construction work of the road from village Dantal to Rajasthan Border is lying incomplete; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be constructed ?

Development Minister (Shri Kanwal Singh) :

(a) Yes, Sir.

(b) The road is likely to be completed within this financial year.

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस सड़क पर काम शुरु किए हुए कितने दिन हो गये हैं और अब तक इस पर कितना पैसा खर्च हो गया है तथा कब तक यह सड़क पूरी हो जाएगी ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, 15.3.96 को यह सड़क इम्पलायमैन्ट इंश्योरैन्स स्कीम के तहत सैंक्शन हुई थी और इसके लिए 5.68 लाख रुपया मंजूर किया गया था। बाद में ऐक्सियन, पंचायती राज, नारनौल को इसके लिए 3.16 लाख रुपया रिलीज कर दिया था। इस सड़क की लम्बाई 1.35 किलोमीटर है। इसके अलावा 2.66 लाख रुपया इसके लिए 10.4.97 को रिलीज कर दिया गया था। इसमें से 1.02 लाख रुपया मथुरा रिफाईनरी को बिचुमिन के लिए भेजा गया है और बाकी जो 1.46 लाख रुपये बचे, वह इन्हीं के एरिया में जो तीन सड़के हैं, उनके ऊपर लगाया गया था क्योंकि बिचुमिन के अभाव में तो यह कार्य पूरा नहीं हो सकता था। इसके अलावा 2 लाख रुपये के करीब की रकम भी सैंक्शन करके जल्दी सड़क का कार्य पूरा किया जाएगा।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, एक सड़क झज्जर और भिवानी जिले के बोर्डर तक खचरौली गांव तक बनायी हुई है। उससे दो कि०मी० पाटूवास गांव है तो क्या इस गांव तक कोई सड़क का निर्माण विचाराधीन है ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को यह पता नहीं है कि वह रोड पंचायती राज विभाग बना रहा है या पी०डब्ल्यू०डी०(बी०एण्ड आर०) बना रहा है फिर भी ये कहेंगे तो मैं इसको देख लूंगा।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज विभाग सारे हरियाणा में सड़कें बना रहा है तो ये सड़कें बनाने का क्या क्राइटेरिया है यह मैं जानना चाहूंगा और इस किस्म की सड़कों को बनाने के मामले में मिट्टी डालने का काम कौन करेगा और मिट्टी डालने के काम के मामले में अब तक कोई शिकायत मंत्री महोदय के पास आई हैं या नहीं ?

श्री कंवल सिंह : स्पीकर सर, पंचायती राज विभाग जो सड़कें बनाता है उसमें मिट्टी डालने के काम में कहीं न कहीं गड़बड़ हो ही जाती है इसके लिए हम सतर्क हैं और जहां से भी शिकायत आती है हम इंक्वायरी करवा कर कार्यवाही करवाते हैं।

श्री भागी राम : मंत्री जी मेरे प्रश्न को फौलो नहीं कर पाए। मैंने यह जानना चाहा था कि मिट्टी डालने का काम ट्रैक्टर करते हैं या मजदूरों से कराया जाता है और गांव की लेबर से कराते हैं या सोसायटी की लेबर क्लास से कराया जाता है ?

श्री कंवल सिंह : सुनिश्चित रोजगार योजना के तहत 80 प्रतिशत पैसा भारत सरकार इस काम के लिए देती है और 20 प्रतिशत पैसा हरियाणा सरकार देती है। यह काम तब होता है जब खेती का लीन पीरियड होता है और किसानों के पास काम नहीं होता है उस समय उनको रोजगार देने के लिए यह स्कीम बनी हुई है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय पंचायत एवं विकास मंत्री जी ने सुनिश्चित रोजगार योजना के अन्तर्गत मज़दूरों को काम देने के लिए यह कार्यक्रम शुरु किया है इस बारे में हमारे पास जानकारी है। मुख्यमंत्री जी बैठे हैं उनको भी जानकारी होगी, इस बारे में मैं हाउस में आश्वासन चाहूँगा कि जो ट्रैक्टर और आधुनिक मशीनों से काम करवाया जा रहा है और मस्टर रोल में हाजरी इंदराज की जा रही है इससे बेरोज़गारी बढ़ रही है इस पर रोक लगाई जाए।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम तो मज़दूरों को काम देते हैं फिर भी यदि माननीय सदस्य को कहीं सबूत मिले हैं और आपत्ति है तो मुझे लिख कर आवेदन दें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमें इस बारे में आपत्ति ही नहीं सख्त आपत्ति है सारा हाउस इस बारे में जानता है और आपके ध्यान में भी यह बात है, इस बात पर रोक लगाइए। मंत्री जी को मैं इस बारे में लिखित में आवेदन दे दूंगा।

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी, आप बैठ जाइए। आपने जो बात कहनी थी वह चौधरी धीर पाल सिंह जी ने पूरी कर दी है।

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के में गांव डेकोरा से आसोधा तक पंचायती राज विभाग द्वारा सड़क का निर्माण होना है और उसके लिए 12 लाख रुपये की ग्रांट भी आई पड़ी है। यह ग्रांट लगभग दो महीने से आई पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय से मैं आश्वासन चाहूँगा कि वहां कब से काम शुरू होगा।

श्री कंवल सिंह : मेरे पास इस समय रिकार्ड उपलब्ध नहीं है, ये अलग से लिख कर दे दें तो मैं इनको सूचना दे दूंगा।

Water Logging

***628. Shri Sampat Singh :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state —

(a) the district-wise acreage of land affected by water logging in the State;

(b) the steps so far taken or proposed to be taken to make the aforesaid land cultivable; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to those farmers whose land is affected from water logging ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) :

(क) राज्य में जिलेवार सेमग्रस्त भूमि परिशिष्ट "क" के अनुसार है।

(ख) सेम को नियन्त्रित करने के लिए ड्रेनों के निर्माण के कदम उठाए गये हैं। अपने सुझाव देने के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का भी गठन किया गया है।

(ग) नहीं, श्रीमान जी।

परिशिष्ट "क"

जिलेवार सेमग्रस्त भूमि की विवरणी

क्रम संख्या	जिले का नाम	भूमि (हैक्टेयर में)
1.	अम्बाला	शून्य
2.	भिवानी	3515
3.	फतेहाबाद	5537
4.	फरीदाबाद	शून्य
5.	गुडगांव	शून्य
6.	हिसार	6025
7.	झज्जर	760
8.	जीन्द	1300
9.	कैथल	20
10.	करनाल	100
11.	कुरुक्षेत्र	शून्य

12.	महेन्द्रगढ़	शून्य
13.	पंचकूला	शून्य
14.	पानीपत	शून्य
15.	रिवाड़ी	100
16.	रोहतक	182
17.	सिरसा	3800
18.	सोनीपत	500
19.	यमुना नगर	शून्य

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मंत्री महोदय ने बताया है वहां पर टोटल जमीन 21834 हैक्टेयर ही पड़ती है परन्तु स्पीकर सर यह जमीन तो 55 हज़ार हैक्टेयर से भी ज्यादा है जहां पर सेम की समस्या है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या यह रिपोर्ट किसी सर्वे के आधार पर दी गई है ? इतनी जमीन तो जहां पर चार-पांच गांव इक्ट्ठे पड़ते हैं उनकी ही हो जाती है। यह समस्या हर जिले के गांव में है। मैं यह जानना चाहूँगा कि क्या मंत्री महोदय इस बारे में दोबारा सर्वे करायेंगे ? दूसरी बात जो मंत्री महोदय ने स्कीम के बारे में बताई है क्या वे कोई स्पेसिफिक स्कीम बतायेंगे ? तीसरा इन्होंने जो मुआवजा न देने के बारे में कहा है क्या उसके बारे में बतायेंगे कि कोई मुआवजा देने का प्रावधान है या नहीं ? स्पीकर सर, मुख्य मंत्री जी और सारी सरकार यहां पर बैठी हुई है और सभी जानते हैं कि हमारे पड़ौसी राज्य पंजाब में भी हमारे प्रदेश की तरह वाटर लौगिंग की समस्या है और हमारे प्रदेश से ज्यादा है उसके बावजूद भी पंजाब सरकार ने किसानों को कहीं पर चार-पांच, दस हज़ार तक तथा कहीं कहीं पर तो एक लाख रुपये तक का मुआवजा दिया है। हरियाणा प्रदेश में दस सालों से सेम की समस्या हो रही है और किसानों की जमीन बेकार पड़ी है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या वे पंजाब सरकार के पैट्रन पर हरियाणा के किसानों को मुआवजा देंगे ?

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जहां तक आंकड़ों की बात कही है, मैं उनको बताना चाहता हूँ कि ये आंकड़े सिंचाई विभाग के सर्वे के अनुसार जिलावाईज दिए गये हैं। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : रैवेन्यू विभाग भी इसके आंकड़े दे सकता है।

श्री हर्ष कुमार : चौधरी सम्पत सिंह जी यह बात सही है कि रैवेन्यू विभाग भी सर्वे करता है। आप तो इस महकमे के वजीर रहे हैं और आपने भी विभाग के सर्वे के आधार को माना है। रैवेन्यू विभाग के सर्वे के आधार पर आपने भी कभी कोई बात कही होगी क्योंकि उस समय भी तो ऐसे सवाल पूछे गये होंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सेम की समस्या को दूर करने की स्कीम की बात है, सेम तीन धार कारणों से बढ़ती है। बाढ़ के कारण सेम की समस्या उत्पन्न होती है तथा कुछ नहरों में सिपेज के कारण होती है कुछ लोगों की ऐसी मनोवृत्ति होती है कि दूसरे किसानों के हक का पानी खुद इस्तेमाल करते हैं उस कारण तथा ओवर इरीगेशन के कारण यह सेम की समस्या हो जाती है। इसके लिए सरकार ने नहरों की मरम्मत का काम शुरु किया है तथा डिच ड्रेनें बनाकर सिपेज के पानी को निकालने का काम शुरू किया

[श्री हर्ष कुमार]

है। जहां पर ज्यादा सेम है वहां पर ट्यूबवैल्ज लगाकर उस पानी को नहरों में गिराकर किसानों के खेतों तक पहुंचाया है। जहां पर पानी खारा है और जहां पर यह समस्या ज्यादा है वहां पर हमारे विशेषज्ञों की समिति इस समस्या के निदान के कार्य में लगी हुई है ताकि किसी भी तरीके से यह सेम की समस्या खत्म 10.00 बजे हो सके। अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुआवजा देने की बात है, अगर प्राकृतिक आपदा आ जाए और उसके कारण किसानों की फसल बर्बाद हो जाए तो सरकार किसानों को मुआवजा देती है। जहां सेम का इलाका है जोकि 5-6 साल से है, सेम के लिए मुआवजा देने का विभाग के पास कोई प्रोविजन नहीं है।

श्री सम्मत सिंह : स्पीकर सर, मेरा सीधा सा सवाल था। मैं भी इरीगेशन महकमे का मंत्री रहा हूँ। चौधरी मनीराम गोदारा जी सामने बैठे हैं। अकेले फतेहाबाद जिले की 5500 हैक्टेयर जमीन बताई गई है। मुख्यमंत्री जी भी खुद गोरखपुर गांव में जाकर आए थे। आधे से ज्यादा यानी 7-8 हज़ार एकड़ जमीन तो अकेले गोरखपुर गांव की है। कम से कम 2-3 हज़ार एकड़ जमीन सारंगपुर, काजल, वड़ोपल, डांड व खजरी इत्यादि गांवों की है। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि अकेले फतेहाबाद जिले के अंदर 50 हज़ार एकड़ से ज्यादा जमीन अफैक्टिड है। (विघ्न) इसलिए मेरी प्रार्थना है कि यह जो आंकड़े दिए गए हैं, वे सत्य नहीं हैं, इन को दुरूस्त किया जाए।

श्री अध्यक्ष : कृपया स्टेटमैंट न दीजिए। सवाल पूछिए।

श्री सम्मत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुआवजा देने की बात है, इन्होंने खुद ही अपने जवाब में माना है कि पिछले 7-8 साल से इस जमीन में सेम है। अध्यक्ष महोदय, किसानों के खेतों में एक दाना भी पैदा नहीं होगा। मैं पूछता हूँ कि अगर किसानों को मुआवजा राशि नहीं दी जाएगी तो कल को वे किस रास्ते पर जाएंगे। इसलिए मेरी यह मांग है कि मुख्यमंत्री महोदय सेम के इलाके के लिए कोई ऐसी पोलिसी की घोषणा करें कि इतना मुआवजा किसानों को दिया जाएगा। ठीक बात है, मंत्री महोदय अपने लैवल पर इस कार्य को नहीं कर सकते हैं लेकिन मुख्यमंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं। कम से कम पड़ौसी राज्यों को तो फॉलो किया जा सकता है, उनके राज्य में सेम का इलाका हमारे इस इलाके से ज्यादा था तो भी उन्होंने किसानों को मुआवजा दिया है। दूसरी तरफ हमारा सेम का इलाका भी कम है।

श्री अध्यक्ष : स्टेटमैंट न दीजिए। आप प्रश्न पूछिए।

श्री सम्मत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या हाउस में सेम के इलाके के लिए किसानों को मुआवजा देने की घोषणा करेंगे ?

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, वैसे इस सवाल का जवाब देने से मेरा ताल्लुक नहीं है लेकिन माननीय सदस्य ने चूंकि कुछ गांवों का नाम लिया है और मेरा नाम भी लिया है इसलिए मैं इन को एक बात बताना चाहता हूँ कि चौधरी बंसी लाल जी जब वहां पर गये तो सारे मामले का पता लगाने के बाद इन्होंने उन गांवों में पम्प लगाने के आर्डर कर दिए, और खास तौर से उन गांवों में, जिनके बारे में माननीय साथी ने जिक्र किया है। अकेले गोरखपुर गांव में एक महीने के अंदर एक करोड़ रुपये खर्च किए गये हैं। एक बात तो यह थी। मैं जो कह रहा हूँ उस को आप अपने ऊपर अटैक न समझें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, गोरखपुर व दूसरे गांवों का जो माननीय सदस्य ने जिक्र किया है, अपने शासनकाल में इन्होंने राजनीतिक तौर पर उन गांवों में से कभी भी एक इंच पानी भी निकलवाने की कोशिश नहीं की। (विघ्न) गोरखपुर के अंदर तो पानी उस वक्त भी था जब चौधरी देवी लाल जी

मुख्यमंत्री होते थे। आप ही बताएं मैं इस बात को किस शर्त पर बोलूं। उस समय गोरखपुर, महमदपुर, बड़ोपल व काजल इत्यादि गांवों में पानी था। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बड़ोपल का पानी तो निकलवा दिया होगा।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, गोरखपुर गांव में पानी नहीं था। (विघ्न) हां, बड़ोपल में पानी था। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस मामले में किसी भी तरह की बात मानने के लिए तैयार हूँ, किसी भी प्रकार की तफतीश कराने के लिए तैयार हूँ चाहे तो वह हाऊस के तौर पर करा लें, चाहे किसी और तरीके से अथवा हम दोनों ही वहां जाकर कर लें।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, वाटर लॉगिंग के बारे में मैं पूछना चाहता हूँ।

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी देवी लाल मुख्यमंत्री थे, उस समय वहां पर वाटर लॉगिंग था। (विघ्न) मैंने अभी कहा भी है कि हम ने वहां पर एक करोड़ रुपया खर्च किया है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, वहां पर कुछ नहीं हुआ है। मालूम नहीं यह पैसा कहां खर्च कर दिया है।

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, उस गांव के अंदर पानी निकालने के लिए 50 पम्प लगाए गए हैं और उस सारे इलाके के लिए 500 पम्पस की मंजूरी दी गई है। (विघ्न) लेकिन इन्होंने तो अपने समय में कोई पम्प वहां पर नहीं लगवाया था। (शोर)

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुआवजे की बात है, इसके बारे में हमारे रैवेन्यू मिनिस्टर सूरजपाल जी बताएंगे लेकिन उससे पहले मैं सदन को एक बात बताना चाहता हूँ। प्रो० सम्पत सिंह ने फतेहाबाद की जो बात बताई वह ठीक है। फतेहाबाद ब्रांच के साथ-2 जो सीपेज का इलाका है वहां सेम की समस्या है, यह बात भी ठीक है। जहां सेम की समस्या है उसका लगभग आधा ऐरिया गांव गोरखपुर में पड़ता है और यह बहुत पुरानी समस्या है। जहां तक मुआवजे की बात है उससे पहले एक बात कहूँगा कि दड़वा कलां हल्के में 15-16 गांव हैं दड़वा कलां, चौपटा के इलाकों में पानी पीरूवाली और शेरूवाली डिस्ट्रीब्यूटरी से सप्लाई होता है। आज सम्पत सिंह मुआवजे की बात करते हैं जब ये इस महकमे के वजीर थे, सदन में पहले भी जिक्र हुआ था कि इन दड़वा कलां हलके के 15-16 गांवों के लोगों ने इस समस्या के कारण इलैक्शन का भी बहिष्कार किया था। इन गांवों में यह समस्या प्रो० सम्पत सिंह के समय में ही आई थी। पहले वहां टिब्बे होते थे और वे समतल हो गए, उस जमीन में 10-15 फुट नीचे कंकर-पत्थर की सतह है। कंकर-पत्थर की सतह होने की वजह से पानी जमीन में जज़्ब नहीं हो पाता। यह वही शेरूवाली माइनर है जहां इनके समय में लोग बन्दूक की नोक पर राजस्थान के हिस्से का और हरियाणा के दूसरे हिस्सों का पानी शेरूवाली डिस्ट्रीब्यूट्री, पीरूवाली डिस्ट्रीब्यूट्री में लेकर गए, तभी यह समस्या पैदा हुई, आप चाहे रिकार्ड देख लें। मुआवजे की बात कंवर सूरजपाल जी बताएंगे।

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मुआवजे के लिए नार्म्ज बने हुए हैं कि यदि स्टेट में कहीं भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है तो वहां वह मुआवजा दे दिया जाता है। जहां तक सेम

[श्री सूरजपाल सिंह]

की वजह से पानी भरने का सवाल है ऐसी कोई बात नहीं। जैसा इन्होंने पंजाब स्टेट में मुआवजा देने की बात कही है उसके बारे में तो मुझे पता नहीं है लेकिन हरियाणा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पड़ौसी प्रदेश पंजाब में मुआवजा देने की बात कही तो कोई भी स्टेट एक लाख रु० का मुआवजा नहीं दे सकती। हम तो वही देंगे जो कायदे-कानून में है, हम कायदे कानून से बाहर नहीं जाएंगे।

श्री सम्पत सिंह : कायदे-कानून में तो मुआवजे की बात नहीं है।

श्री बंसी लाल : कायदे-कानून में नहीं है तो हम मुआवजा नहीं देंगे।

Shri Sampat Singh : Sir....

Mr. Speaker : This is questions hour. Please ask the question and don't make a statement.

श्री सम्पत सिंह : मुआवजे की बात कायदे-कानून में नहीं है लेकिन जब कहीं कोई नुकसान होता है, कायदे-कानून भी तभी बनते हैं।

Mr. Speaker : Please take your seat.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, कायदे कानून तो तभी बनते हैं जब कहीं पर कोई नुकसान होता है। वहां पर सीपेज के पानी के कारण किसानों का बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, वहां पर कोई गोली नहीं चली और न ही कोई आदमी गोली की नोक पर वह पानी अपने खेत में ले कर गया। हमारे समय तो यह प्रोब्लम एक दो गांवों में ही थी इस समय जितने इलाके में यह प्रोब्लम है यह बाद में पैदा हुई है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इनको 10-15 फुट के खम्भे नजर नहीं आते उस समय इनको यह रेम कहां से नजर आती ? (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, * * * * * (शोर)

Mr. Speaker : Please take your seat (Interruptions). Nothing to be recorded.

श्री वीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरी सप्लीमैंटरी है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाएं। (शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

वाक-आउट

श्री सम्मत सिंह : स्पीकर साहब, यदि आप हमारी बात नहीं सुनते तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक-आउट करते हैं। (शोर)

(इस समय हलोदरा के सभी माननीय सदस्य सदन से बाक-आउट कर गये।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Repair of Roads

*** 697. Shri Bhagi Ram :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads of District Sirsa —

(a) Ottu to Thobria via Kuttabadh, Budhimeri and Amritsar;

(b) Kariwala to Manjalther and Shahida Ther;

(c) Sadewala to Matuwala;

(d) Mehmadpuria to Fatehpuria;

(e) Rania to Mohar Singh Theri;

(f) Rania to Dhani Satnam Singh;

(g) Ellenabad to Dholpalia, Kasikabas, Neemla and Behrawala; and

(h) Haboli to Dhamora Theri; and

(b) if so, the time by which these roads are likely to be repaired ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) :

(क) हां, श्री मान जी।

(ख) क्रमांक (घ) पर वर्णित सड़क को छोड़ कर शेष सभी की मरम्मत कराई जा चुकी है।

क्रमांक (घ) पर वर्णित सड़क की मुरम्मत जून, 1999 तक होने की सम्भावना है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेन सवाल के जवाब में बताया है कि इन सड़कों में से एक सड़क को छोड़ कर सभी सड़कों की मरम्मत कर दी गई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जिन जिन सड़कों की मरम्मत हो चुकी है उन पर कितना कितना पैसा खर्च हुआ है और आपके पास उन सड़कों के बारे में जो रिपोर्ट आई है क्या वह सही रिपोर्ट है ?

श्री धर्मबीर यादव : अध्यक्ष महोदय, ओटू से धोबड़िया वाया कुतावढ़ बुढी मेड़ी तथा अमृतसर सड़क पर लगभग 11.29 लाख रुपये खर्च हुए हैं और इस सड़क की मरम्मत मई 1998 में कर दी गई थी। सीरियल नम्बर दो की सड़क साढ़े सात किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 में मरम्मत की गई थी और इस पर साढ़े 6 लाख रुपये खर्च किए गए थे। सीरियल नम्बर 3 की सड़क सवा तीन किलोमीटर लम्बी है मार्च 1998 में इसकी मरम्मत की गई थी और इस पर 10 हज़ार रुपये खर्च हुए थे। सीरियल नम्बर 4 की सड़क लगभग दो किलोमीटर लम्बी है इसकी 200 मीटर की रेजिंग करनी है और उस पर लगभग दो लाख रुपए खर्च होंगे और इसकी जून 1999 तक मुरम्मत कर दी जाएगी। इसी तरह से रानिया से मोहर सिंह थेड़ी सड़क लगभग साढ़े चार किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 में मरम्मत कर दी गई और इस पर लगभग 10 हज़ार रुपये खर्च हुए। इसी तरह से रानिया से धाणी सतनाम सिंह सड़क है यह साढ़े पांच किलोमीटर लम्बी है इसकी मार्च 1998 में मरम्मत कर दी गई और इस पर पौने दो लाख रुपये खर्च हुए। इसी तरह से एलनाबाद से धोलपालिया, कासी का वास, नोमिला और बेहरवाला सड़क इसकी अक्तूबर 1997 में मरम्मत की गई और इस पर सवा लाख रुपया खर्च हुआ। इसी तरह से रुवोली से धमोड़ा थेड़ी सड़क साढ़े तीन किलोमीटर लम्बी है इसकी मरम्मत जुलाई 1998 में की गई और इस पर 10 हज़ार रुपये खर्च हुए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, पी० डब्ल्यू० डी० विभाग के अधिकारियों ने इन सड़कों के बनाए जाने के बारे में कागजात में जो गड़बड़ की है उसके बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से और मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वे इसकी जांच करवाएंगे ?

श्री अध्यक्ष : यह इररैलेवैंट क्वैश्चन है, आप बैठिये।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में 1-2 सड़कों के बारे में बताया कि वहां पर 10-12 हज़ार रुपये खर्च किए गए हैं। स्पीकर साहब, कागज़ों में ही खर्च हुए होंगे, सड़कों पर कोई पैसा नहीं लगा है। सड़कें ठीक नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, सरकार बदले की भावना से अपोजीशन के हल्कों में कोई काम नहीं कर रही। मैं आपके माध्यम से चीफ मिनिस्टर से अनुरोध करूंगा कि वे हाउस की कोई कमेटी गठित करें जो इस बात की जांच कर सके।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। यह इररैलेवैंट क्वैश्चन है।

Upgradation of Government Primary School, Girawa

***791. Shri Virender Pal Ahlawat :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Primary School, Girawar of District Jhajjar into Middle School during the current financial year ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : जी नहीं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत के गिरावड़ स्कूल के बारे में पुनः पता करवाया है। यह स्कूल सारी निर्धारित शर्तें पूरी करता है। हम इसी सत्र से हम स्कूल को प्राईमरी से मिडिल बना देंगे।

श्री वीरेन्द्र पाल अहलावत : धन्यवाद।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से समचाना गांव के स्कूल के बारे में जानना चाहूंगा।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में मायना साहब ने अपने मायना गांव का जिकर किया था, धीरपाल जी ने भी एक स्कूल की बात की थी। वे स्कूल हमने अपग्रेड कर दिए थे। अब ये समचाना की बात कर रहे हैं, इसको भी दिखा लेंगे।

Metalled Road

***709. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a metalled road from Gaushala of Mandauthi village to National Highway No. 10 alongwith Gurgaon Canal; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : No, Sir.

श्री नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने उम्मीद के मुताबिक जवाब दिया है। मंत्री महोदय पिछले साल बालौर से वीर बरखताबाद गए थे। उस समय इन्होंने बालौर में इस सड़क को बनाए जाने की घोषणा की थी मैं जानना चाहूंगा कि इस सड़क का काम कब तक पूरा हो जाएगा ?

श्री धर्मवीर यादव : ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई थी।

H.P.L.C. Instruments

***749. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) whether the H.P.L.C. instrument was purchased for the Pesticide Laboratory, Karnal during the year 1992-93 or 1993-94;

(b) whether the above said instrument is out of order from the date it was purchased; and

(c) whether the Government has received any complaint in its purchase; if so, the action taken therefor ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) :

(क) इस सयंत्र की खरीद वर्ष 1993-94 के दौरान राज्य कीटनाशक गुण नियन्त्रण प्रयोगशाला, करनाल के लिए की गई थी।

(ख) नहीं, श्रीमान जी, सफलतापूर्वक ट्रायल प्रदर्शन के बाद, विभिन्न तिथियों को 24 नमूनों का इस सयंत्र पर परीक्षण किया गया था।

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

(ग) हाँ, श्रीमान जी, चौकसी विभाग, मामले की जांच कर रहा है। चौकसी विभाग से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि 1993-94 में कीटनाशक प्रयोगशाला, करनाल के लिए एच०सी०पी०एल० का संयन्त्र खरीदा था, क्या वह संयन्त्र सफलतापूर्वक चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद 24 नमूनों की जांच कराई गई, फिर भी वह ठीक तरह से नहीं चला। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने दोषी अधिकारियों को सजा क्यों नहीं दी ? अगर सरकार अधिकारियों को दोषी नहीं मानती है तो उनके खिलाफ चौकसी विभाग से इन्क्वायरी क्यों करवाई। अध्यक्ष महोदय, आज भी वे अधिकारी अपने पदों पर लगे हुए हैं, मंत्री महोदय इसके बारे में पूरी जानकारी दें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो हमारी करनाल में लैब है, वहां पर पैस्टीसाईड की गुणवता जांचने के लिए यह मशीनरी हमने लगवाई थी, भारत सरकार ने इस मशीनरी के लिए पैसे दिए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि जिन 24 नमूनों का इसमें टैस्ट हुआ, उनके नतीजे कई प्रकार के रहे और अध्यक्ष महोदय, जहां तक अधिकारियों की जांच की बात है, आप भी जानते हैं कि जब किसी अधिकारी के खिलाफ कारवाई की जाती है तो पहले उसकी जांच की जाती है। दोषी पाये जाने पर ही उसको सजा दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, उन अधिकारियों के खिलाफ चौकसी विभाग से हम जांच करवा रहे हैं और अगर वे दोषी पाए गये तो उन्हें सजा जरूर दी जाएगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि उन अधिकारियों के खिलाफ चौकसी विभाग कब से इन्क्वारी कर रहा है, क्या कृषि विभाग ने उनको कोई रिमाईण्डर भेजा है, यदि भेजा है तो कब भेजा और उन पर कार्यवाई क्यों नहीं हो रही है ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कैप्टन जी को बताना चाहता हूँ कि चौकसी विभाग 13.12.1996 से जांच कर रहा है और हमने इसके बारे में रिमाईण्डर भी भेजे हैं।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि एच०सी०पी०एल० का संयन्त्र खरीदने में कितनी कीमत लगी थी और इसकी जांच होते हुए 2 साल हो गये वह कब तक पूरी हो जाएगी ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इस संयन्त्र की कीमत 8 लाख 50 हज़ार है और इसकी जांच जल्दी से जल्दी पूरी कर ली जाएगी। (विघ्न एवं शोर)

Judicial Complex Safidon

***713. Shri Ram Phal Kundu :** Will the Chief Minster be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Judicial Complex at Safidon ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Yes, Sir.

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि सफीदों जूडिशियल कॉम्पलैक्स को बनाने के लिए उसका नींव पत्थर रखा गया था लेकिन काम बीच में रोक दिया गया है। यह एक डिपोज़िट वर्क है और इस का पैसा जमा हो चुका है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इसका काम कब तक शुरू हो जाएगा ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, 3.7.1998 को इसके टैंडर आ गए हैं, टैंडर की एलॉटमैंट का काम प्रोसैस में है। जैसे ही रेनी सीज़न खत्म होगा इसका काम चालू हो जाएगा। काम चालू होने के बाद एक साल के अंदर-अंदर काम पूरा हो जाएगा।

Sprinkler Sets

***777. Shri Sat Pal Sangwan :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Sprinkler Sets are purchased by the Government for supplying of the same to the farmers from open market; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to purchase the Sprinkler Sets through Haryana State Agro Industries Corporation instead of open market to give the benefit of commission to the said Corporation ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) :

(क) एवं (ख) सरकार सीधे रूप में स्प्रिंकलर सैट्स नहीं खरीदती है। इसलिए, सरकार द्वारा हरियाणा कृषि उद्योग निगम के माध्यम से ऐसी खरीद का प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, मैं यहां पर यह कहना चाहूँगा कि स्प्रिंकलर सैट्स एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन के शू प्रचेज़ किए जाने चाहिएं। जो कमीशन डीलर को जाता है अगर वह एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन के शू परचेज़ करें तो एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन को जाएगा। अध्यक्ष महोदय, 40 हजार स्प्रिंकलर सैट्स की हरियाणा में लागत है अगर यह कमीशन एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन को मिल जाए तो उससे यह कारपोरेशन जिन्दा रह सकेगी। अध्यक्ष महोदय, यह स्कीम बहुत ही अच्छी है। अगर यह स्कीम लागू हो जाए तो इससे किसानों को बड़ा भारी लाभ है और यह एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन भी जिन्दा रह सकेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय एग्रीकल्चर मिनिस्टर से यह जानना चाहूँगा कि क्या वे इसे एग्ज़ामिन करवा कर लागू करने की कृपा करेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैंने अपने माननीय साथी सदस्य को पहले भी बताया है कि स्प्रिंकलर सैट्स सरकार सीधे परचेज़ नहीं करती है बल्कि किसी ऐजैंसी के माध्यम से या किसी कम्पनी के शू लेती है और उसके लिए कुछ शर्तें निर्धारित होती हैं। अगर एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन उन शर्तों को पूरा करेगी तो हमें उनके माध्यम से खरीदने में कोई ऐतराज नहीं है। जैसे और फर्में या कम्पनीज़ करती हैं वैसे ही एग्रो इण्डस्ट्रीज़ कारपोरेशन भी कर सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

माननीय सदस्य को तथा सदन को भी बताना चाहूंगा कि हमारे विभाग ने पूरी तरह से प्रयास किया है कि स्प्रिंकलर सैट्स के मामले में किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत प्राप्त हो और स्प्रिंकलर का काम प्रदेश के अन्दर ठीक तरीके से चले।

Re-instatement of the Services

***672. Shri Ram Pal Majra :** Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to reinstate those employees whose services were terminated due to the closure of the distilleries on account of prohibition in the State ?

श्रम व रोज़गार मंत्री (श्री रमेश चन्द्र कौशिक) : राज्य में डिस्टिलरियों का प्रबंधन निजी/सहकारी क्षेत्र द्वारा किया जाता है और इनमें कार्यरत श्रमिकों की सेवाएं औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के अन्तर्गत विनियमित की जाती हैं। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन हो।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या कर्मचारियों को टर्मिनेटिड पीरियड के बेनिफिट्स और ऐरियरज़ मिलेंगे ?

Mr. Speaker : Questions Hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Repair of Roads

***654. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following damaged roads of Sonipat City and Constituency :-

(i) old D. C. Road;

(ii) from Railway Phatak to Gohana road;

(iii) from Railway Phatak to Mandi;

(iv) from Bus Adda to village Mahana;

(v) raising of Hulleri approach road;

(vi) construction of concrete pavement near Atlas Mandir;

(vii) raising of Gita Bhawan to Railway Phatak road;

(viii) strengthening of Gita Bhawan to Rest House Kalupur road; and

(ix) concrete pavement of Gita Bhawan to Bus Stand road; and

(b) if so, the time by which these roads are likely to be repaired ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) :

(क) हां, श्री मान जी।

(ख) जून, 1999 तक।

Pump Houses of Alipur Minor

***772. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state the time by which the Pump Houses on Alipur Minor will be made functional ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : धन की उपलब्धता पर अलीपुर माइनर का पम्प हाउस मास जनवरी 1999 के अन्त तक चालू होने की संभावना है।

Drain out of Accumulated Water

***784. Shri Virender Pal Ahlawat :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state —

(a) whether it is a fact that rainy water accumulates during rainy season in Dighal and Gangtan villages of district Jhajjar; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to drain out the water of the aforesaid villages ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) गांव डीघल तथा गंगतान से वर्षा का पानी बहराना माइनर की आर० डी० 7462/दाएं, आर०डी० 17238/दाएं तथा आर०डी० 25923/दाएं पर लगाए गए पम्पों से सन्तोषजनक ढंग से निकाला जाता है।

Shortage of Teachers in Government Schools

***720. Sh. Ram Phal Kundu :** Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that there is shortage of teaching staff in Government Primary Schools and Government Middle Schools for Boys and Girls, separately, at present in Safidon Constituency; and

(b) if so, the names thereof together with the time by which the aforesaid shortage of teachers is likely to be met out ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :

(क) जी हां, सफीदों निर्वाचित क्षेत्र में 11 राजकीय प्राथमिक पाठशालाओं, एक राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला तथा तीन माध्यमिक विद्यालयों में स्टाफ की कमी है।

(ख) निम्न विद्यालयों में स्टाफ की कमी है उनके नाम इस प्रकार हैं :-

1. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मुआना।
2. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, खड़क नागर।
3. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, करसिन्धु।
4. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डेरा चठा।
5. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डेरा मलियान वाला।
6. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डेरा बढ़ावा सिंह।
7. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डिडवाड़ा।
8. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मलिकपुर।
9. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, बरौद।
10. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, धर्मगढ़।
11. राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मलार।
12. राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला, मुआना।
13. राजकीय माध्यमिक पाठशाला, डिडवाड़ा।
14. राजकीय माध्यमिक पाठशाला, धर्मगढ़।
15. राजकीय माध्यमिक पाठशाला, गंगौली।

स्टाफ की कमी को जल्दी ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

Opening of P.H.C. in Bahadurgarh

***733. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Health be pleased to state —

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government dispensary/PHC across the Railway Line Colony of Bahadurgarh City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

F.T.I.R. Spectometer

*** 750. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) whether the F.T.I.R. spectometer was purchased for the Pesticide Laboratory, Karnal, during the year 1992-93 or 1993-94; and

(b) whether the instrument referred to in part (a) above lying out of order since when it was purchased ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) :

(क) इस उपकरण की खरीद वर्ष 1993-94 के दौरान की गई थी।

(ख) इस उपकरण का सफलतापूर्वक प्रदर्शन दिनांक 30.9.94 को आयोजित किया गया था। फिर भी इसके बाद कोई नमूना विश्लेषित नहीं किया जा सका क्योंकि इस मशीन का एक पूर्जा जिसका नाम विन्डो है आर्द्रता सोखने के कारण खराब हो गया।

विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, 27 तारीख को हमारी पार्टी से पेहवा के विधायक श्री जसविन्द्र सिंह जी ने कृपाण के मुद्दे को आपके नोटिस में लाया था। अध्यक्ष महोदय, एक विजिटर कृपाण लेकर आ रहा था और आपके बाथ एंड वार्ड स्टाफ ने उसको रोका था। आपने उस बारे में चैम्बर में कहा था कि कृपाण अलाउड नहीं है । मैं आपको बताना चाहूंगा कि भारतीय संविधान के

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

मुताबिक कृपाण अलाउड है। अध्यक्ष महोदय, जब इस बारे में सदन में चर्चा हुई थी तो आपने इस बारे में अपनी रूलिंग देने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्ष : मैंने रूलिंग देने के लिए नहीं कहा था। I had requested the Hon'ble Member to see me in my Chamber but he did not come. Now, please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह व्यवस्था का प्रश्न है। यह जो हो रहा है यह भारतीय संविधान के खिलाफ है। इसके तहत मैं आपको यह बताऊं चाहे आप बाद में कुछ भी फैसला दें आपको भी संविधान की धारा 395 (A) के तहत जेल हो सकती है। * * * * .

श्री अध्यक्ष : यह जो चौटाला साहब बोल रहे हैं that should not be recorded. आप यहां का रूल नम्बर 113 देखें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

श्री अध्यक्ष : यह जो चौटाला साहब बोल रहे हैं इसको रिकार्ड नहीं किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

Mr. Speaker : I warn you. Please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

Mr. Speaker : I again warn you and request you to take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

श्री अध्यक्ष : हम ने लोक सभा से टैलिफोन पर पता किया है कि वे एम०पीज० को 6 इंच की कृपाण के साथ सदन में जाने के लिए अलाउ करते हैं। जहां तक विजिटर का ताल्लुक है, इस बात के लिए हम लोक सभा से सुनिश्चित कर रहे हैं कि क्या वहां पर विजिटर को कृपाण ले जाना अलाउ है या नहीं है। जो भी प्रथा वहां पर होगी, उसी प्रथा को हम यहां पर अलाउ कर देंगे। (विघ्न) Don't waste the time of the House. Please take your seat. (Interruptions) Nothing to be recorded.

वाक-आउट

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर माइनोरिटिज के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा और हमें इस बारे में बोलने नहीं दिया जाएगा तो हम इसके प्रोटैस्ट में वाक-आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित लोक दल (राष्ट्रीय) के सभी सदस्य एक दर्शक को कृपाण के साथ सदन में प्रवेश करने के लिए अनुमति न दिए जाने के विरुद्ध विरोध के रूप में सदन से वाक आउट कर गए)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

विभिन्न मामलों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाओं/नियम 84 के अधीन प्रस्ताव का उठाना (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, लिसाना गांव के नजदीक महावीर सिंह का पैट्रोल पम्प चौथी चार लूटा गया है। तीन हफ्ते पहले भी सतीश जैन नामक व्यक्ति का पैट्रोल पम्प लूटा गया था। महावीर सिंह का पैट्रोल पम्प परसों चौथी बार लूटा गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वहां पर तीन लुटेरे आए और उस पैट्रोल पम्प के खजान्ची के सुंह पर गोली मारकर वहां से 50,000 रुपए लूट कर ले गए। गृह मंत्री जी इस बारे में आश्वासन दें कि दोबारा से ऐसी कोई घटना नहीं होगी। उस पैट्रोल पम्प पर लगातार चार बार लूट-पाट की जाए और कोई भी आज तक पकड़ा न जाए तो इससे बुरी बात और क्या होगी ? पहले यहां जो माफिया की बात चली थी आज वह आपके सामने आ गई है। अध्यक्ष महोदय, आप गृह मंत्री जी से कहें कि अगर इस प्रकार की घटनाएं दिन के वक्त होंगी तो कैसे काम चलेगा। गृह मंत्री जी इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। (विघ्न) यह लिसाना गांव रिवाड़ी के नजदीक झज्जर रोड पर है। वहां पर यह चौथी वारदात हुई है इससे पहले तीन हफ्ते पूर्व भी यह पैट्रोल पम्प लूटा गया था। (विघ्न) गृह मंत्री जी इसके बारे में कोई आश्वासन दें। लेकिन ये तो बातों में लग रहे हैं और इस बारे में कोई भी जवाब नहीं दे रहे हैं।

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, उस पैट्रोल पम्प पर एक बार नहीं बल्कि चार बार वारदातें हुई हैं। पांचवीं बार वहां ऐसा न हो, यह बात रैंशोयर की जाए।

श्री अध्यक्ष : खुर्शीद अहमद जी, आप बैठें। कैप्टन साहब ने अपनी बात कह दी है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इसको हम अच्छी तरह दिखवा लेंगे और आनरेबल मैम्बर की तसल्ली भी करा देंगे।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने आज सुबह एक कालिंग अटैंशन मोशन आपको दिया था। यह मोशन हरियाणा प्रान्त में कोपरेटिव सैक्टर में ट्रांसपोर्ट सोसायटीज के बारे में है। इन कोपरेटिव ट्रांसपोर्ट सोसायटीज को तकरीबन एक हज़ार लाईसैंस दिए गये थे और इनमें से 85 परसैंट सोसायटीज़ ऐसी हैं जिनको पांच-पांच बेरोजगार नवयुवकों ने बनाया था, आज भी मुनाफे में नहीं बल्कि टोटे में चल रही हैं। 82 ऐसी बसिज हैं जो आज खड़ी हैं क्योंकि ये सरकारी ऐजंसिज द्वारा पकड़कर लायी गयी हैं। इन लोगों के सहकारी बैंकों के लाखों रुपये 17 या 18 परसैंट ब्याज की दर से देय हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर प्रतिदिन के हिसाब से इनका खर्चा लगाया जाए तो हर बस के पास ऐसे रूट मिलेंगे जो कि मुनाफे का सौदा नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आपका यह मोशन आज ही मेरे औफिस को 8.30 बजे मिला है और वह डिस अलाऊ हो गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया एवं संचालन के नियम 84 के तहत हमने एक मोशन आपके नोटिस में दिया था जोकि माइनोरिटी कमीशन की रिपोर्ट डिसकस करने के बारे में था।

श्री अध्यक्ष : रूल 84 के तहत आपका यह मोशन मेरे औफिस में सुबह 8.30 बजे ही आया है और यह डिस-अलाऊ हो गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कल तो सैशन भी नहीं होगा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए। अब ये जो भी इस बारे में बोल रहे हैं उसको रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, * * * *

Mr. Speaker : Please take your seat.

Shri Om Parkash Chautala : Sir ...

Mr. Speaker : Mr. Chautala Ji, I request you to please take your seat. (Noise & Interruptions). You are not allowed to speak. Please take your seat.

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि मैं अकेला मैम्बर हूँ। आप मेरी बात दो मिनट सुन लें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपका फर्ज है कि मेरी बात को सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Jaswinder Singh Ji, please sit down. (Noise & Interruptions). Jaswinder Singh Ji, I warn you.

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु : अध्यक्ष महोदय, मुझे आप बोलने का मौका दें। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : I will have to name you. (Noise & Interruptions)

(इस समय हरियाणा लोकदल राष्ट्रीय के सदस्य श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु जोर-जोर से बोलते हुए हाउस की वैल में आ गए।

Mr. Speaker : I warn you to take your seat, otherwise I will have to name you. (Noise & Interruptions). I request you to take your seat.

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, मैं अकेला सदस्य हूँ मुझे आप इस बारे आश्वासन दें।

Mr. Speaker : No, I do not assure you. Please take your seat.

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जीरो ऑवर में जसविन्द्र सिंह जी को अपनी भावना व्यक्त करने का अवसर दें। भावना व्यक्त करने देने में नुकसान क्या है ? (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, आप बैठ जाइए। (शोर एवं व्यवधान) मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है, पुनः अपील है कि हाउस को ठीक से चलने दें।

Shri Jaswinder Singh Sindhu : Sir .....

Mr. Speaker : Now I will have to name you. (Noise & Interruptions). Please take your seat.

Shri Jaswinder Singh Sindhu : Sir ..

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : I would request you to please take your seat. (Noise & Interruptions).

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर सर, यह सुनना ही नहीं चाहते क्योंकि इनके पास कोई मुद्दा तो है नहीं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अगर चौटाला साहब सदन से जाना चाहते हैं तो यह उनकी अपनी मर्जी है। लेकिन इस सदन को मैं एक बात बताना चाहता हूँ कि बजट पर 14 घण्टे बहस हुई और डिमाण्डज पर 5.55 घण्टे बहस हुई है। इस दौरान अगर सबसे ज्यादा बोलने के लिए सभी सदस्यों को समय नहीं दिया हो तो आप रिकार्ड देख सकते हैं। इतना ज्यादा समय तो चौटाला साहब जब स्वयं मुख्यमंत्री थे तब भी नहीं दिया होगा। Now I request Shri Karan Singh Dalal to speak.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * *

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमिशन है कि चौटाला साहब ने इस सदन में अल्पसंख्यकों की बात कहकर जनता को भड़काने की कोशिश की है। उस बात को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब ने जो अब तक अल्पसंख्यकों के बारे में बात कही है उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि धीरपाल सिंह जी जैसे सीनियर मैम्बर भी बैठे-बैठे बोले जा रहे हैं।

सदस्य का नाम लेना

Shri Jaswinder Sirgh Sindhu : Sir ....

Mr. Speaker : I request Mr. Jaswinder Singh to take his seat, otherwise I am going to name him. (Noise & Interruptions).

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो यह कहा है कि हमारी सारी कार्यवाही एक्सपेज कर दी गई है। (विघ्न)

Shri Jaswinder Singh Sindhu : Sir ...

Mr. Speaker : I name Shri Jaswinder Singh and request him to leave the House.

Shri. Jaswinder Singh Sindhu : Sir...

Mr. Speaker : You have been named and I request you to leave the House.

वाक-आउट

Shri Om Parkash Chautala : Sir, as a protest, we stage a walk out.

(At this stage all the members of Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak and naming Shri Jaswinder Singh Sindhu)

---

* चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 15.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move —

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr Speaker : Question is —

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 16.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker : Question is —

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

The motion was carried.

वाक-आउट

(When motions under Rule 15 and 16 were being put and carried all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party present in the House rose in their seats and wanted to speak. The Speaker did not allow them to speak and observed that the zero hour was over).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप हमें बोलने के लिए समय ही नहीं दे रहे, इसलिए हम वाक-आउट करते हैं।

(At this stage all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak and raise other matters in the zero hour).

सदन की मेज पर रखे गये कागज़-पत्र

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will lay papers on the Table of the House.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to lay on the Table the Grant Utilization Certificate and Audit Report for the year 1995-96 of the Chaudhary Charan Singh Haryana AgriculturalUuiversity, Hisar as required under section 34(5) of the Haryana and Punjab Agriculture Universities Act, 1970.

विधान कार्य—

1. हरियाणा विनियोग (सं० 3) विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1998.

Sir, I also move —

That the Haryana Appropriation (No.3) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No.3) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Appropriation (No.3) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker : Question is-

That the Schedule be the Schedule of the Bill

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Finance Minister to move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to move —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 4), Bill 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 1998.

Sir I also beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना) : स्पीकर सर, 1998 का जो एप्रोप्रिएशन बिल मंत्री जी ने इस सदन की समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया है, इसमें मैं सबसे पहले तो होम के मामले की चर्चा करना चाहूंगा। जहां इस सदन के सदस्यों ने इस बात की चर्चा की है कि किस प्रकार से हरियाणा अपराधों के मामले में दिन प्रतिदिन चहुंमुखी प्रगति करता जा रहा है। मैंने आपके माध्यम से और आपकी इजाजत से पार्लियामैंट्री एफेयर्ज मिनिस्टर और गृह मंत्री जी को 47 ऐसे मुकद्मों की लिस्ट दी थी जो कि मौजूदा सरकार के द्वारा वापिस ले लिए गए थे।

Mr. Speaker : Mr. Surjewala, you are going to repeat the same thing, which you have spoken on the Budget. (Interruptions).

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : पार्लियामैंट्री एफेयर्ज मिनिस्टर और गृह मंत्री जी ने मुझे कहा था कि इन मुकद्मों की जांच करके दोबारा वे इस हाउस में इस बारे में स्टेटमैंट देंगे। ये इसलिए नहीं बता रहे हैं क्योंकि इनमें से 2 मुकद्में इनके खिलाफ भी हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सुरजेवाला जी को तो पिछले कई दिनों से जो मुकद्में वापिस लिए गये हैं, उनकी चिन्ता हो रही है। पिछले दिनों जब कांग्रेस का राज था, इनके पिता इस सदन के सदस्य थे, ये शायद उन दिनों को भूल गए हैं। ये जिस पार्टी से सम्बन्ध रखते हैं, इनकी पार्टी का राज होते हुए भी इनके पिता और इनके साथ पिछली सरकार ने क्या किया था ? (शोर) जब इनकी पार्टी का राज था आप और हम सब विपक्ष में बैठा करते थे, इनकी पार्टी के लोग हमारे प्रति कितना द्वेष भाव रखते थे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, अभी तो मैंने अपनी बात कही भी नहीं है।

Mr. Speaker : Mr. Surjewala, you please take your seat. (Interruptions). No, no, please take your seat. (Interruptions).

श्री कर्ण सिंह दलाल : जब इनकी पार्टी की सरकार थी तो इनके काले कारनामों के विरूद्ध आवाज़ उठाने पर हमारे खिलाफ झूठे मुकद्में दायर किए गए। हमारी तरह जो और भोले भाले लोग

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

थे जिन्होंने इनकी पार्टी के लोगों और मुख्यमंत्री के खिलाफ आवाज़ उठाई, उनके खिलाफ झूठे मुकद्में दायर किए गए और जो भी गलत कार्यवाहियां उनसे हो सकती थीं इन्होंने वह सब कीं। इनको अपने किए गए कार्यों पर शर्मिन्दगी होनी चाहिए। उस समय लोगों पर जो झूठे मुकद्में बनाए गए थे और गलत कार्यवाहियां करके जो झूठे केस बनाए गए थे, वे केस हमारी सरकार ने वापिस ले लिए।

11.00 बजे **श्रीमती करतार देवी :** स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, क्या प्वायंट ऑफ आर्डर पर प्वायंट ऑफ आर्डर होता है ? आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप बहन जी का प्वायंट ऑफ आर्डर तो सुन लें।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप पढ़े लिखे हैं और वकील भी हैं इसलिए आपको पता होना चाहिए कि प्वांयट ऑफ आर्डर पर प्वांयट ऑफ आर्डर नहीं होता। इसमें आपकी इनकी वकालत करने की जरूरत नहीं है। (शोर)

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : मैं आपको जवाब दे देता हूँ आप कृपया करके मेरा जवाब सुन लें। माननीय सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने यह बात कही कि उन्होंने हाउस की टेबल पर उन 47 केसिज की लिस्ट रख दी थी। (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि मैंने वह लिस्ट हाउस की टेबल पर रख दी थी मैंने तो यह कहा था कि मैंने वह लिस्ट माननीय गृह मंत्री जी को भिजवा दी थी।

Shri Mani Ram Godara : I have not received that list as yet. आप मुझे वह लिस्ट दे दें। (शोर)

(इस समय माननीय सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा एक लिस्ट माननीय गृह मंत्री जी को दी गई।)

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश की सारी जनता जानती है और केवल हरियाणा की जनता ही नहीं मेरे ख्याल में सारा देश जानता है कि ये जितने भी झूठे मुकद्में बने जिनकी बाबत सुरजेवाला जी जानना चाहते हैं और यह भाई उनका जवाब सुनने के लिए बहुत एंक्शियस हैं, सारे हिन्दुस्तान की जनता जानती है और उनके बारे में हरियाणा प्रदेश का बच्चा बच्चा जानता है कि पोलिटिकल बिनाह पर ये मुकद्में बनाए गए। श्री ओ०पी० जिन्दल जो पार्लियामैंट के मैम्बर रहे हैं और उस वक्त वे इस असैम्बली के मैम्बर भी थे वे हिन्दुस्तान के अन्दर इंडस्ट्रीज के अन्दर आठवें नम्बर पर गिने जाते थे और आज भी गिने जाते हैं उनके 18 आदमियों पर, जिनके अन्दर एक वाइस एडमिरल भी थे, झूठे टाडा के मुकद्में बनाए गए और उन पर टाडा के मुकद्में बना कर उनको एक कोठड़ी के अंदर रखा गया। जिस वक्त पार्लियामैंट के अंदर टाडा के रिन्यूअल की बात चल रही थी उस वक्त हमारे हिन्दुस्तान के एक्स होम मिनिस्टर श्री इन्द्रजीत गुप्त ने कहा था कि मैं सब कुछ मान सकता हूँ लेकिन मैं यह नहीं मानता कि श्री ओ०पी० जिन्दल पर टाडा का मुकद्मा बने और हम इस टाडा की रिन्यूअल कर दें यानि उस वक्त पार्लियामैंट में भी उस महान आदमी के ये शब्द थे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन्द्रजीत गुप्ता ही नहीं बल्कि इन्हीं की पार्टी के होम मिनिस्टर श्री एस० बी० चह्वान ने भी यह कहा था कि हम इस टाडा को अक्सैप्ट नहीं करते।

श्री भनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, इन्होंने 70 आदमियों के खिलाफ टाडा के मुकद्दमें बनाये थे। यदि मैं एक-एक का जवाब दूंगा तो बहुत समय लग जाएगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : आप हमें बात तो कहने का मौका दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी को मौका दिया जा चुका है।

This is all mere repetition.

Question is—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker : Question is —

That the Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

वाक-आउट

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अगर आप हमें बोलने को टाईम नहीं दे रहे हैं तो हम सदन से वाक-आउट करते हैं।

(At this stage all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party and the Indian National Congress Party, present in the House, staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak on Clauses.)

विधान कार्य

2. हरियाणा विनियोग (सं 4) विधेयक, 1998 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Now the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to move —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

3. हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन तथा भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1998. He will also move the motion for its consideration.

Shri Bansi Lal (Chief Minister) : Sir, I introduce the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1998.

I also beg to move —

> That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

श्री धर्मवीर गाबा (गुड़गांवा) : अध्यक्ष महोदय, जो बिल आज लाये गये हैं, हालांकि मैं अपोजिशन में बैठा हुआ हूँ फिर भी इन बिलों के लिए मैं मुख्य मंत्री महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, अब एम०एल०ए० की जोब पार्ट टाईम नहीं रह गई है यह फुल टाईम हो गई है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन सब बिलों को यूनानीमसली पास कर लिया जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना) : अध्यक्ष महोदय, पूरे विपक्ष की ओर से और अपने दल की ओर से, अपनी आवाज श्री धर्मवीर गाबा के साथ मिलाकर जोर से हम सदन के नेता का धन्यवाद करते हैं और मैं निवेदन करता हूँ कि इन बिलों को हाउस में यूनानीमसली पास कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, सदन के अंदर मैं अपना एक सुजैशन और रखना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, हमारे पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश और पंजाब में एम०एल०ऐज० को एक जीप, ड्राइवर और कुछ राशि दी गई है, क्या हरियाणा सरकार इस बारे में विचार करेगी ? (विघ्न)

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

4. हरियाणा मंत्री वेतन और भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now, the Chief Minister will introduce that Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 1998.

Sir, I also beg to move —

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

5. हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) संशोधन विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now, the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 1998.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

श्री धीरपाल सिंह (बादली) : स्पीकर सर, मुख्य मंत्री महोदय मैम्बर्ज़ को दी जाने वाली सुविधाओं वाला जो संशोधन बिल लाएं हैं उसमें मेरा एक संशोधन है। इस माननीय हाउस में 51 सदस्य ऐसे हैं जो कि पहले ही सदस्य थे और दोबारा चुन कर आए हैं। उन में से ज़्यादातर ने कार लोन पहले ही लिया हुआ है इसलिए वे इस सुविधा से वंचित रह जाएंगे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : स्पीकर सर, मैं इस बात को क्लीयर कर देता हूँ। एक्ट में प्रोविज़न यह है कि एक टैन्योर में पांच साल में मैम्बर एक बार लोन ले सकता है। यह लोन पहले दो लाख रुपये था। इस बारे में हम ने एल०आर० साहब से अच्छी तरह डिस्कस कर लिया है, इन एडीशन टू दैट वह 4 लाख ले सकता है जैसे ही असैंट ऑफ दि गवर्नर साहब आ जाएगी।

श्री धीरपाल सिंह : क्या पहले वाला लोन जमा करवा कर ले सकता है ?

श्री बंसी लाल : जी नहीं, दो में चार और एड कर लो।

श्री धीरपाल सिंह : थैंक यू, जी।

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

6. हरियाणा विधान सभा (सदस्य-भत्ता तथा पैंशन) संशोधन विधेयक, 1998

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1998.

Sir, I also move —

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the Chief Minister to move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now I thanks all the Hon'ble Members of this House and now the House stands adjurned sine-die.

*11.26 hrs. (The Sabha then *adjourned sinedie)

30581-H.V.S.-H.G.P., Chd.